

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ૩૮૦૦૦૪.

सत्संग परिचय - १

નિરૂપ
ચ

रविवार, 16 जुलाई, 2006

समय : सुबह 9.00 से 11.15

कुल अंक : 75

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ। बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी।



इस कोष्टक में
परिचय-१ (हिन्दी)
का स्टीकर लगाएँ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर लगाने का नहीं है।

નિરૂપ
ચ

निम्न जानकारी परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की बैठकक्रमांक
(अंकों में)

--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी की उम्र

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्गसुपरवाइजर हस्ताक्षर करें।

वर्गसुपरवाइजर के हस्ताक्षर

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
1 (6)		
2 (6)		
3 (8)		
4 (4)		
5 (4)		
6 (4)		
7 (6)		
8 (4)		
9 (5)		
10 (4)		
11 (5)		
12 (4)		
13 (15)		
कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर :

નિરૂપ
ચ

..... पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें।

मोडरेशन विभाग माटे ज
गुण शब्दोंमां
चेकर - नाम
झटी तपासनार
सुधारेल गुण

(विभाग - १ : सहजानंद चरित्र)

प्र. १ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. “बहुत अच्छा पदार्थ बंधन करता है ।”

गुण : २

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

२. “मैं तो तुम में अखंड रहा हूँ ।”

गुण : २

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

३. “अब आप आराम से अहमदाबाद शहर में पधारिए ।”

गुण : २

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

प्र. २ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. मुकुतानंद स्वामी का संशय मिट गया ।

गुण : २

.....

.....

.....

२. शोभाराम शास्त्री अंधा हुआ ।

गुण : २

.....

.....

.....

३. महाराज ने कहा, ‘हमने शिक्षापत्री लिखी और हमने ही तोड़ी ।’

गुण : २

.....

.....

.....

प्र. ३ निम्नलिखित में से किन्हीं दो के बारे में प्रमाणसर विवरण लिखिए । (१२ पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

- | | |
|---------------------------|---------------------------|
| १. कबूतर के कबूतर । | २. गवर्नर माल्कम से भेट । |
| ३. हिंसामय यज्ञ का खंडन । | ४. गुणातीत का महिमा । |

प्रसंग :

()

.....

.....

ગુણ :	૪
-------	---

().....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. 'भगवान ऐसा अन्याय सहन नहीं करते' ऐसा कौन बोलने के लिए तैयार हो गए ?

गुण : १

२. क्या नाम देकर श्रीजीमहाराज ने अपने हाथों से सर्वप्रथम कहाँ अपनी ही मूर्ति स्थापित की ?

गुण : १

३. श्रीजीमहाराज के प्रागट्य के छः हेतुओं में से किसी एक हेतु को लिखे ।

गुण : १

४. श्रीजीमहाराज गृहस्थ को कौन-से पंच पदार्थ के त्याग के नियम का पालन करवाते थे ?

गुण : १

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) की निशानी करें । (कुल गुण : ४)

नोंथ : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही की निशानी की होगी तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. नीचे दिए हुए कौन-से मंदिरों में मूर्ति और उसके स्थान का संबंध सही है ?

गुण : २

(१) भूज - नरनारायण देव । (२) धोलेरा - राधारमण देव ।

(३) गढ़ा - गोपीनाथ देव । (४) जूनागढ़ - मदनमोहन देव ।

२. नीचे दिए गये कौन-से प्रसंग मे गुणातीतानंद स्वामी आते हैं ?

गुण : २

(१) मीठा व्हाला केम विसरुं ? (२) हमारे जडभरत ।

(३) महंतों की नियुक्ति । (४) डभाण का यज्ञ ।

प्र. ६ निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

१. श्रीजीमहाराज ने गाँव में 'स्वामिनारायण' नाम का महामंत्र दिया ।

गुण : १

- | | |
|---|---------|
| २. साधुओं को निष्काम, निर्लोभ, निःस्नेह और निःस्वाद वर्तमान
नियम का दृढ़तापूर्वक पालन करना । | गुण : १ |
| ३. महाराज ने आदरज में मुक्तानंद स्वामी, ब्रह्मानंद स्वामी, नित्यानंद स्वामी और
..... की सदगुरु पद पर नियुक्ति की । | गुण : १ |
| ४. श्रीजीमहाराज इस पृथ्वी पर साल, २ मास और १ दिन रहे थे । | गुण : १ |

(विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - २)

प्र. ७ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. “यह क्या सालेमाल है । यह तो अक्षर ओरडी है ।” गुण : २

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

२. “हम नदी के किनारे की झोंपड़ी में रहने लगेंगे ।” गुण : २

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

३. “मैं पतिव्रता हूँ ।” गुण : २

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कल गण : ४)

१. इन्द्रजीभाई अखंडानन्द ब्रह्मचारी बने । गुण : २

.....
.....
.....

२. जागा भक्त को ऐसा लगा की जैसे किसी ने उन्हें गोली मार दी हो । गुण : २

प्र. ९ निम्नलिखित में से किसी एक के बारे में प्रमाणसर विवरण लिखिए । (१५ पंक्ति में) (कल गण : ५)

१. जागा भक्त को सांखडावदर के चरागाह में प्राप्त हुआ दिव्य सुख ।
२. प्रेमानन्द स्वामी द्वारा गाया गया भैरवी राग । ३. आचार्यश्री अयोध्याप्रसादजी का गुणातीतानंद स्वामी के प्रति पूज्यभाव ।

प्रसंग :

परम्परा

().....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. 'भगवान के पदों की पूजा करो, क्यों ?' इस प्रश्न का सद्गुरु नित्यानंद स्वामीने क्या उत्तर दिया ?

गुण : ५

२. मूलजी ब्रह्मचारी के जीवन में से कौन-सी दो चीजें हमें शीखनी चाहिए ?

गुण : १

३. अयोध्याप्रसादजी महाराज के माता और पिता का क्या नाम था ?

गुण : १

४. आज्ञा होने के बावजुद भी दादा खाचर ने बाई का सिर क्यों नहीं काटा ?

गुण : १

प्र.११ निम्नलिखित वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्य को छूँढ़कर सिर्फ उसके नंबर लिखें। (कुल गुण : ५)

विषय : मूलजी ब्रह्मचारी

- १. मैं कहा मना करता हूँ, उसे बुलाओ । २. तुम अभी उज्जैन जाओ, वहाँ क्षिप्रा नदी के सामने वाली पाठशाला में जाना ।
- ३. वशरामभाई श्रीजीमहाराज के पास सेवा मांगते हैं । ४. सुतारबाई ने पूछा, 'आज कल आप दिखाई क्यों नहीं देते ?'
- ५. डेढ़ मन आम का टोकरा ब्रह्मचारी डभाण से लाए । ६. मूलजी ब्रह्मचारी ने गढ़ा मन्दिर पर सफेदी करवाने का काम कराया । ७. मांगीए, आज तो हम बहुत खुश हुए हैं । ८. उन्होंने कहा, 'मुझे दो, मैं ले जाऊँगा ।' ९. देखिए, इन्हें हम पर कितना विश्वास है । १०. मूलजी ब्रह्मचारी बहुत बुद्धिमान है, इसलिए उन्हें हमें खुश करना आता है ।

केवल नंबर -

गुण : ५

प्र.१२ नीचे दिए हुए वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए। (कुल गुण : ४)

१. धाम में चले जाने के बाद श्रीजीमहाराज ने लाडुबा और जीवुबा को दर्शन देकर प्रेमानन्द स्वामी के लिए थाल भेजने को कहा ।

गुण : १

२. महाराज के लिए लाडुबा ने हरजी ठक्कर से १०० रुपयें मैं भेंस ली ।

गुण : १

३. कृष्णजी अदा कहते, 'इन दो देशों में शास्त्रीजी महाराज जैसा साधु कोई नहीं है ।'

गुण : १

४. जागा स्वामी ने गुणातीतानन्द स्वामी की जो बातें लिख ली थी, वे स्वामी की बातें के पाँचवे प्रकरण में प्रसिद्ध हुई हैं ।

गुण : १

(विभाग - ३ : निबंध)

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए। (कुल गुण : १५)

- १. दिल्ली अक्षरधाम भक्ति का धाम । २. प्रमुखस्वामी महाराज के हृदय की लय - भक्ति ।
- ३. अक्षरधाम में जाने के पंख - आज्ञा और उपासना ।

गुण : १५

()

